

**दुर्बलता स्त्री.** (तत्.) 1. दुर्बल होने की अवस्था या भाव 2. कमजोरी, बल की कमी, दुबलापन 3. शिथिलता, थकान 4. उत्साहहीनता।

**दुर्बुद्धि स्त्री.** (तत्.) 1. शारीरिक या मानसिक हीन बुद्धि 2. दुष्ट बुद्धि, कुबुद्धि **वि.** 1. नीच बुद्धि वाला 2. उल्टे दिमाग वाला, मूर्ख।

**दुर्बोध वि.** (तत्.) 1. जो कठिनाई से समझ में आए 2. दुर्ज्ञेय 3. कठिन, क्लिष्ट 4. गूढ़।

**दुर्भक्ष वि.** (तत्.) 1. जिसे खाना कठिन हो 2. जिसका स्वाद अच्छा न हो।

**दुर्भक्ष्य वि.** (तत्.) 1. जिसे कठिनाई या अरुचि से खाया जा सके 2. खाने में खराब।

**दुर्भग वि.** (तत्.) मंद भाग्य, अभाग्य, बदकिस्मत।

**दुर्भगा वि.** (तत्.) अभागिन स्त्री. 1. जिस स्त्री का पति न हो, विधवा 2. बुरे स्वभाव वाली झगड़ालू स्त्री।

**दुर्भर वि.** (तत्.) 1. कठिनता से वहन करने या उठाने योग्य 2. जो लादने योग्य न हो, भारी, वजनी, दूभर 3. संविदा या वचनबद्धता का वह स्वरूप जिसका निर्वाह करना कठिन हो जैसे- दुर्भर शर्त- ऐसी शर्त जिसका निर्वाह कठिन हो, जिस शर्त को पूरा करना या निभाना कठिन हो।

**दुर्भागी वि.** (तत्.) दुर्भाग्य वाला, मंद भाग्य वाला, भाग्यहीन, अभाग्य।

**दुर्भाग्य पुं.** (तत्.) मंद भाग्य, बदकिस्मती।

**दुर्भाव पुं.** (तत्.) 1. खराब भाव, ईर्ष्या द्वेष, मनमुटाव, दुर्भावना 2. दुःस्थिति।

**दुर्भावना स्त्री.** (तत्.) दुर्भाव, बुरी भावना, अशुभ होने का संदेह होना।

**दुर्भावपूर्ण वि.** (तत्.) बुरी भावना से भरा हुआ, दुर्भावनायुक्त।

**दुर्भाव्य वि.** (तत्.) 1. जो कठिनाई से ध्यान में आए, जो शीघ्र समझ में न आए 2. जिसकी कल्पना करना कठिन हो 3. जिसकी परिणति खराब होने वाली हो।

**दुर्भिक्ष पुं.** (तत्.) 1. वह समय जिसमें भोजन या भिक्षा कठिनाई से मिले 2. अकाल, कहर।

**दुर्भीति स्त्री.** (तत्.) आयु. निराधार भय या दुश्चिंता से सतत अभिभूत रहने की स्थिति मनो. एक प्रकार का मानसिक रोग जिसमें किसी वस्तु से अकारण स्थायी व तीव्र भय लगता हो।

**दुर्भेद्य वि.** (तत्.) 1. जिसका बेधन या भेदन कठिन हो 2. जिसे तोड़ा न जा सके, जैसे अभेद्य दुर्ग 3. जिसका भेद न जाना जा सके।

**दुर्मंत्र पुं.** (तत्.) 1. बुरा मंत्र 2. बुरी सलाह, खराब परामर्श 3. ऐसी राय जिससे हानि हो।

**दुर्मंत्रणा स्त्री.** (तत्.) 1. बुरी राय 2. बुरी सलाह, अपमंत्रणा।

**दुर्मद वि.** (तत्.) नशे में मत्त, गर्वीला, अहंकार से पूर्ण, घमंडी।

**दुर्मना वि.** (तत्.) 1. दूषित मन वाला 2. जिसके मन में दुख हो, उत्साह हीन।

**दुर्मर्ष वि.** (तत्.) जिसे सहना कठिन हो, असह्य; दुःसह।

**दुर्मर्षण पुं.** (तत्.) विष्णु का एक नाम।

**दुर्मल्लिका-दुर्मल्ली स्त्री.** (तत्.) नाट्य. उपरूपक का एक भेद जिसमें हास्य रस की प्रधानता रहती है और चार अंक होते हैं।

**दुर्मित्र पुं.** (तत्.) 1. खराब मित्र, दुष्ट मित्र, कुमित्र 2. शत्रु, दुश्मन।

**दुर्मिल पुं.** (तत्.) काव्य. एक प्रकार का सममात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 31 मात्राएँ होती हैं, एक प्रकार का सवैया छंद जो समवर्णिक होता है तथा जिसके प्रत्येक चरण में 24 वर्ण होते हैं **वि.** 1. जिससे मिलना कठिन हो, या दुर्लभ 2. जो मेल का न हो।

**दुर्मुख वि.** (तत्.) 1. बुरी मुखाकृति वाला, कुरूप 2. बुरी बात कहने वाला, अप्रियवक्ता, कटुभाषी, बदजबान।